निर्यात को बढ़ाने के लिए जर्मनी की टीम देगी मंत्र

जर्मनी की सात सदस्यीय टीम इसी सप्ताह करेगी यूपी का दौरा

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। यूपी के निर्यात को जर्मनी में कैसे विस्तार दिया जाए, जर्मनी के विशेषज्ञ इसके तरीके बताएंगे। वहां की सात सदस्यों की एक टीम इसी सप्ताह यूपी में आकर निर्यात को बढ़ावा देने पर अध्ययन करेगी। उद्देश्य यह होगा कि अलग अलग क्षेत्रों की पहचान बन चुके उत्पादों की गुणवत्ता को इतना सुधारा जाए कि विदेशों में इसकी मांग बढ़ती चली जाए।

दरअसल जर्मनी निर्यात कम होने का कारण वहां के सख्त मानक हैं। इन मानकों पर खरा कैसे उतरा जाए यही समझाने यह टीम यूपी के दौरे पर आ रही है। यह टीम प्रदेश भर में घूमकर यहां की कृषि उत्पादों को परखेगी। विभिन्न जिलों के खास उत्पादों को देखेगी। यह बताया जाएगा कि उनके यहां कैसे उत्पाद पसंद किए जाते हैं। निर्यात मानकों पर खरा उतरने के लिए इनमें क्या और सुधार किए जा सकते हैं। इस टीम के साथ उप्र के कृषि निर्यात एवं व्यापार की टीम भी रहेगी। हाल ही में यूपी से भिंडी, हरी मिर्च आदि जर्मनी भेजी गई थीं जिन्हें वहां खूब पसंद किया गया था। अब अन्य सब्जियों पर भी फोकस होगा।

रसायनों के कम प्रयोग की देंगे सलाह

इस टीम का मुख्य उद्देश्य किसानों को यह बताना होगा कि वे अपनी फसलों में कम रसायन और कीटनाशकों का प्रयोग करें। ज्यादा कीटनाशकों के प्रयोग से यूरोपीय देशों में निर्यात कम होता है। क्योंकि वहां खाद्य पदार्थों के मानक सख्त हैं और यूपी की फसलें उन मानकों पर खरी नहीं उतर पाती है। ऐसे में किसानों को अब इन मानकों के अनुसार ही फसल उत्पादन के लिए प्रेरित किया जाएगा। जर्मनी की यह टीम सिर्फ यूपी में ही संभावनाओं पर मंथन नहीं करेगी, बल्कि यूपी की मौसमीय परिस्थितियों का फसल पर प्रभाव, सिंचाई के साधन, भूजल की स्थिति, सिंचाई के साधन आदि सभी पर रिपोर्ट जर्मनी सरकार के समक्ष रखेगी। इस साझा अभियान में जल्द ही यूपी की टीम भी वहां का दौरा करेगी।

देश के प्रमुख 43 निर्यातक जिलों में यूपी के 11 हुए

लखनऊ। देश के प्रमुख 43 निर्यातक जिलों में अब उत्तर प्रदेश के 11 जिले शामिल हो गए हैं। केंद्र सरकार की ओर से वित्तीय वर्ष 2022-23 में निर्यात के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले चार जिलों की सूची जारी की गई है। इनमें मुरादाबाद, मिर्जापुर और वाराणसी यूपी के हैं जबकि चौथा जिला हरियाणा का फरीदाबाद है। इससे पहले देश के 39 जिलों की सूची में यूपी के 8 जिले थे।

प्रमुख निर्यातक जिलों में मिर्जापुर, वाराणसी और मुरादाबाद भी शामिल

जिन जिलों में 750 करोड़ रुपये से अधिक की राशि के उत्पादन बनते है उन्हें टाउन ऑफ एक्सपोर्ट एक्सीलेंस (टीटीई) आधारित निर्यात क्षमता वाले जिलों के रूप में पहचान मिलती है। इसमें हैंडलूम, हैंडीक्राफ्ट, कृषि और मत्स्य के लिए सीमा को 150 करोड़ रुपये तक किया गया है। मुरादाबाद से पीतल के उत्पादों का रिकार्ड निर्यात हुआ है। वहीं मिर्जापुर से हाथ के बने कालीन और दरी का पूरी दुनिया में निर्यात होता है। वाराणसी का सिल्क और लकड़ी के खिलौनों सहित हैंडीक्राफ्ट की वस्तुएं भी दुनियाभर में जाती हैं। टीटीई की नई सूची में इन तीन जिलों को जगह मिली है। गौरतलब है कि यूपी सरकार की ओर से प्रदेश के उत्पादों को नई पहचान देने के लिए एक जिला एक उत्पाद योजना लागू करने के साथ निर्यात प्रोत्साहन नीति भी लागू की गई। 2016-17 में यूपी का निर्यात 88 हजार करोड़ रुपये था जो 2021-22 में बढ़कर 156 लाख करोड़ रुपये का पहुंच गया। वहीं 2022-23 में निर्यात बढ़कर 190 लाख करोड़ रुपये के पार होने का अनुमान है। ब्यूरो